International Journal of Multidisciplinary Allied Research Review and Practices
(ISSN 2455-1570) (Volume III, Issue XII, Dec 2017) www.ijmarrp.com

इलाहाबाद (केन्द्रिय विश्वविद्यालय) महाविद्यालयों में शारीरिक शिक्षा एवं खेल सुविधाओं का अध्ययन

प्रदीप कुमार मौर्य

शोधार्थी शारीरिक शिक्षा,

अवधेष प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवां (म0प्र0)

सारांश (ABSTRACT): इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय के महाविद्यालयों में शारीरिक शिक्षा और खेलकूद से सम्बन्धित जानकारियों को एकत्र करने के लिए एक विशिष्ट प्रश्नावली का शोध उपकरण के रूप में प्रयोग किया गया, प्रश्नावली शोधार्थी द्वारा कुल 10 महाविद्यालयो से जानकारी प्राप्त हुयी। आकड़ों के रूप में प्राप्त तथ्यों को विभिन्न वर्गो मे सारणीयन कर विश्लेषित किया गया। जिसमें इलाहाबाद के महाविद्यालयों में कुल 18 खेलों की खेल सुविधाएं उपलब्ध पायी गयी, 4 खेलो की शिविर एवं संचालन किसी भी महाविद्यालयों में नही होता 18 सुविधाओं मे से 10 ही खेल ऐसे पाये गये जिनकी सुविधाएं एवं संचालन सभी 10 महाविद्यालयों में होता है। 18 खेलो मे से 5 खेलों कि सुविधाएं एवं संचालन 6–8 महाविद्यालयों में होता है। 10 में से 4 महाविद्यालयों में आधुनिक सामग्रीयुक्त जिम्नेजियम, 3 महाविद्यालयों में सामान्य सामग्रीयुक्त जिम्नोजियम, 1 महाविद्यालयों के पास सामान्य हाल उपलब्ध है। अध्ययन में पाया गया कि 10 महाविद्यालयों में से 5 महाविद्यालयों कि संरचना विकास समिति का गठन किया गया है, जबकि सत प्रतिशत महाविद्यालयों ने पर्याप्त खेल सामग्रियों को युवाओं की खेल गतिविधियों के विकास के लिए एक उच्च स्तरीय तकनीकि समिति का गठन किया जाए और प्रत्येक महाविद्यालयों में युवाओं/छात्रो की खेल गतिविधिआयें के लिए बड़ी पर्याप्त राशि का आर्थिक प्रावधान किया जाना चाहिए।

प्रस्तावना (INTRODUCTION):

प्रस्तुत अध्ययन इलाहाबाद के महाविद्यालयों में शारीरिक शिक्षा और खेलकूद की गतिविधियों से सम्बंधित विषय पर आधारित है। उत्तर प्रदेश क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का पांचवा बड़ा राज्य है और जनसंख्या की दृष्टि से भारत का सबसे बड़ा राज्य है। उत्तर प्रदेश केवल भारत की अधिकतम जनसंख्या वाला राज्य ही नहीं है बल्कि विश्व की सर्वाधिक आबादी वाली उप राष्ट्रीय इकाई है। यदि उत्तर प्रदेश को अलग देश बनाया जाय तो वह पांच राष्ट्रों चीन, भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, इण्डोनेशिया और ब्राजील के बाद छठवां सबसे बड़ा जनसंख्या वाला देश होगा। उत्तर प्रदेश क्षेत्र की दृष्टि से $23^0$52′ से $30^0$25′ अक्षांश और $77^0$3′ से $84^0$39′ पूर्वी देशान्तर रेखांश के मध्य स्थित है। जिसकी सीमा पूर्व से पश्चिम 650 किमी. और उत्तर से दक्षिण 240 किमी. है। कुल 2,40,928 वर्ग किमी. क्षेत्रफल वाला भारत का पांचवा बड़ा राज्य है।

शिक्षा के माध्यम से किसी व्यक्ति को सामाजिक, संवेगात्मक, शारीरिक और मनौवैज्ञानिक रूप से दक्ष नागरिक तैयार करना वास्तव में राष्ट्र के विकास मे सहयोग करना है, शिक्षा ही एक ऐसी वैज्ञानिक प्रक्रिया है जो व्यक्ति को विवेकपूर्ण, परिपक्व और ज्ञानवान बनाती है। शिक्षा एक ऐसी वैज्ञानिक प्रक्रिया है जो व्यक्ति को विवेकपूर्ण, परिपक्व और ज्ञानवान बनाती है। जैसी व्यक्ति के अपने खुशियों के लिए उसके अपने व्यवहार में परिवर्तन लाती है। जिससे वह समाज में अन्य व्यक्तियों के लिए सहायक होता है और समाज को वास्तव में कुछ सहयोग कर पाता है। शिक्षा अपने गोरवान्वित अर्थ में जीवन के लिए तैयारी है, और ये प्रत्येक व्यक्ति के जीवन को सम्पूर्ण बनाने में सहायक होती है तथा व्यक्ति के सर्वागीण विकास का प्रयास करती है। वास्तव में शिक्षा का सम्बन्ध शरीर के स्वस्थ अवयों के अधिकतम विकास, उनकी व्यापकता, संवेगात्मक स्थायीत्व, सामाजिक चेतना, ज्ञान सम्पूर्ण व्यवहार, आध्यात्मिक और चारित्रिक गुणों से है। शिक्षा और शारीरिक शिक्षा में प्रक्रिया और परिणाम और

उद्देश्य सामान्य शिक्षा के उद्देश्यों के पूरक एवं समान है, सम्पूर्ण शिक्षा कार्यक्रम के अभिन्न भाग के रूप में मान्य है। शारीरिक शिक्षा कार्यक्रम शैक्षणिक उद्देश्यों से सम्बन्धित होते है।

शारीरिक कार्यक्रमों के लिए खेल मैदानों, तरणताल जिम्नेजियम आदि सुविधाओं के अतिरिक्त अध्ययन कक्ष, फर्नीचर, प्रयोगशाला, पुस्तकालय और बड़े हाल आदि आवश्यक सुविधाओं की आवश्यकता होती है। जहाँ तक एथलेटिक्स सुविधाओं का प्रश्न है यह मानना होगा कि वर्तमान एथलेटिक्स कार्यक्रम एवं सुविधाओं को बदलना और रख–रखाव नये निर्माण की अपेक्षा सस्ता होगा। स्टेडियम ट्रैक एण्ड फील्ड, तरण–ताल, जिम्नेजियम की योजना और निर्माण के लिए अतिरिक्त अध्ययन की आवश्यकता होगी। वास्तव में कहा जाये तो यह विद्यालयीय कार्य प्रणाली में खिलाड़ियों और शारीरिक शिक्षकों से सम्बन्धित अभियंताओं की समस्या है। खिलाड़ियों और शारीरिक शिक्षकों के अध्ययन कक्षों प्रशिक्षण स्थलों और विद्यालय में उपलब्ध अन्य स्तरीय खेल सुविधाओं के उपयोग सम्बन्धी अनुभवों को मानचित्रकारों एवं अभियन्ताओं के साथ चर्चा करना चाहिए। शारीरिक शिक्षा कार्यक्रम की सुविधाओं के लिए आज कई नयी प्रवृत्तियाँ है। फर्श बनाने के लिए नया पदार्थ (पत्थर), नये प्रकार के उपकरण, विकसित भू–दृश्य नयी निर्माण सामग्री, तरणताल की नयी आकृति, आवश्यक शरण स्थल और कृत्रिम या सिंथेटिक घास वर्तमान में कुछ नये विकास हैं। इनडोर और आउटडोर तरणताल में संयोजन शारीरिक दक्षता के आउटडोर उपकरण, सभी मौसमों में उपयोगी टेनिस कार्ट और बहुरंगी रेखाएं विभिन्न खेलों और क्रियाओं के लिए अन्य नये विकास है।

शोधार्थी इलाहाबाद विश्वविद्यालय के महाविद्यालयों कें अन्तर्गत राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में अपनी शोध के दौरान यह अनुभव किया कि अन्तर विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर इलाहाबाद के विश्वविद्यायीन खिलाड़ियों की उपलब्धियाँ विश्वविद्यालयों में उपलब्ध खेल सुविधाओं से प्रभावित है। इसी तथ्य की वास्तविकता को परखने के उद्देश्य से शोधाथ्री ने ''इलाहाबाद के महाविद्यालयों में शारीरिक शिक्षा एवं खेल सुविधाओं का अध्ययन'' को अपने शोध विषय का एक अंग बनाया।

शोधार्थी को शोधकार्य को पूर्ण करने के लिए प्रश्नावली में अन्य जानकारियों के पूछे जाने के कारण आकड़ों को एकत्र करने में अति कठिनाई का सामना करना पड़ा।

यह अनुसंधान कार्य महाविद्यालयों में खिलाड़ियोंकि उपलब्धियों पर सुविधाओं के प्रभाव को प्रस्तुत करने, खेल सुविधाओं के महत्व तथा उनके विकास के महत्व को बल देगा और महावविद्यालय अभिकरणों को खेल सुविधाओं के विकास के लिए प्रेरणा स्रोत बन सकेगा।

अध्ययन का मुख्य उद्देश्य महाविद्यालयों में खेल सुविधाओं के विकास के लिए सम्बन्धित अभिकरणों को प्रेरित करना।

शोधार्थी ने शोधकार्य को सफल बनाने के लिए लगभग 40 शोध प्रबंधों, साहित्य का अध्ययन किया।

अध्ययन पद्धति (Methodology):

शोधकार्य केन्द्रीय महाविद्यालयों कुल 10 महाविद्यालयों मे से 10 महाविद्यालयों के परिसर में उपलब्ध शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद सुविधाओं के अध्ययन तक सीमित है। अध्ययन हेतु विषय के विद्वानो के सहयोग से प्रश्नावली का निर्माण किया।

शोधार्थी ने प्रश्नावली के माध्यम से प्राप्त आकड़ो को विभिन्न वर्गो में विभाजित कर उनका विश्लेषण किया और यथा उचित सारिणियों का निर्माण कर साधारण गणीतीय गणना के आधार पर आकड़ों का विश्लेषण किया।

सारणी–2 बहुउद्देश्शीय जिम्नेजियम हाल संबंधी

(Multipurpase Gymnesium)

क्रमांक	जिम्नेजियम का प्रकार	महाविद्यालयों की संख्या	प्रतिशत
1	आधुनिक सामग्रीयुक्त	4	40
2	सामान्य सामग्रीयुक्त	3	30
3	सामान्य	3	30

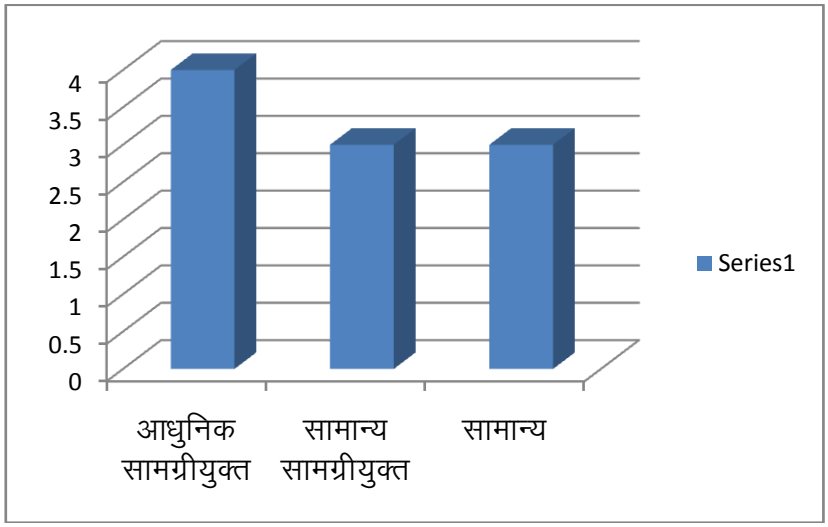

उपर्युक्त में बहुउद्देशीय जिम्नेजियम हाल सम्बन्धी आकड़ों के अध्ययन से ज्ञात हुआ की कुल 10 महाविद्यालयों में से 04 महाविद्यालयों अर्थात् 40 प्रतिशत महाविद्यालयों के पास आधुनिक सामग्री युक्त जिम्नेजियम हाल, 03 महाविद्यालयों अर्थात् 30 प्रतिशत महाविद्यालयों के पास सामान्य सामग्रीयुक्त जिम्नेजियम हाल तथा 03 महाविद्यालयों अर्थात् 30 प्रतिशत महाविद्यालयों के पास सामान्य हाल उपलब्ध है।

सारणी–3 उपकरणों स्थिति संबंधी (Equipment Position)

क्रमांक	प्रर्याप्त	महाविद्यालयों की संख्या	प्रतिशत
1	है	10	100
2	नहीं है	0	0

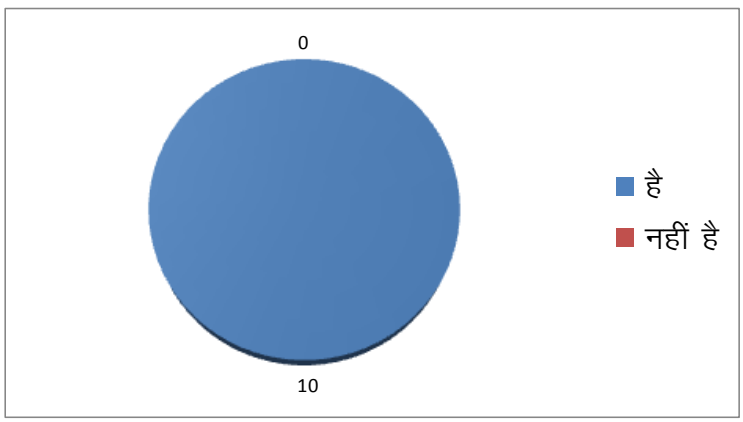

उपर्युक्तासारणी में उपकरणों के विषय में प्राप्त आकड़ों के अनुसार सभी 10 महाविद्यालयों में खेलकूद के पर्याप्त उपकरण उपलब्ध है।

विभिन्न खेल सुविधाओं की उपलब्धता

क्र0सं0	सुविधायें	संख्या	प्रतिशत
01.	400/200 मी0 ट्रैक	4	40
02.	फुटबाल मैदान	7	70
03.	हॉकी मैदान	4	40
04.	बालीबाल मैदान	8	80
05.	बास्केट बॉल	8	80
06.	जम्पिंग पिट	5	50
07.	बैडमिण्टन कोर्ट	6	60
08.	कबड्डी मैदान	5	50
09.	जिम्नेजियम	4	40
10.	खो–खो मैदान	7	70
11.	थ्रोइवेन्ट का सेक्टर	7	70
12.	खेल शिविर	0	0
13.	जिमनास्टिक हाल	7	70
14.	खेल प्रशिक्षक	6	60
15.	क्रिकेट मैदान	10	100
16.	स्टाक रजिस्टर	10	100
17.	इश्यू रजिस्टर	9	90
18.	प्रथम चिकित्सा	9	90

उपरोक्त सारणी के अध्ययन से पता चलता है कि 400 मी0/200 मी0 का ट्रैक 4 महाविद्यालयों में अर्थात 40 प्रतिशत, हॉकी मैदान 4 महाविद्यालयों में अर्थात 40 प्रतिशत, फुटबाल मैदान 7 महाविद्यालयों में अर्थात 70 प्रतिशत, बालीबाल मैदान 8 महाविद्यालयों में अर्थात 80 प्रतिशत, बास्केटबाल कोर्ट 8 महाविद्यालयों में अर्थात 80 प्रतिशत, बैडमिंटन कोर्ट 6 महाविद्यालयों में अर्थात 60 प्रतिशत, कबड्डी मैदान 5 महाविद्यालयों में अर्थात 50 प्रतिशत, खो–खो मैदान 7 महाविद्यालयों मे अर्थात 70 प्रतिशत, जिम्नेजिम 4 महाविद्यालयों में अर्थात 40 प्रतिशत, जम्पिंग पिट 5 महाविद्यालयों में अर्थात 50 प्रतिशत, थ्रोइवेन्ट को सेक्टर 7 महाविद्यालयो में अर्थात 70 प्रतिशत, जिमनास्टिक हाल 0 महाविद्याल अर्थात 0 प्रतिशत, खेल प्रशिक्षक 7 महाविद्यालों में अर्थात 70 प्रतिशत, क्रिकेट मैदान 6 महाविद्याालयों में अर्थात 60 प्रतिशत, स्टाक रजिस्टर 10 महाविद्यालयों में अर्थात 100 प्रतिशत, इश्यू रजिस्टर 10 महाविद्यालयों में अर्थात 100 प्रतिशत, प्रथम चिकित्सा 9 महाविद्यालयों में अर्थात 90 प्रतिशत है।

उपलब्ध खेल सुविधाओं की जानकारी

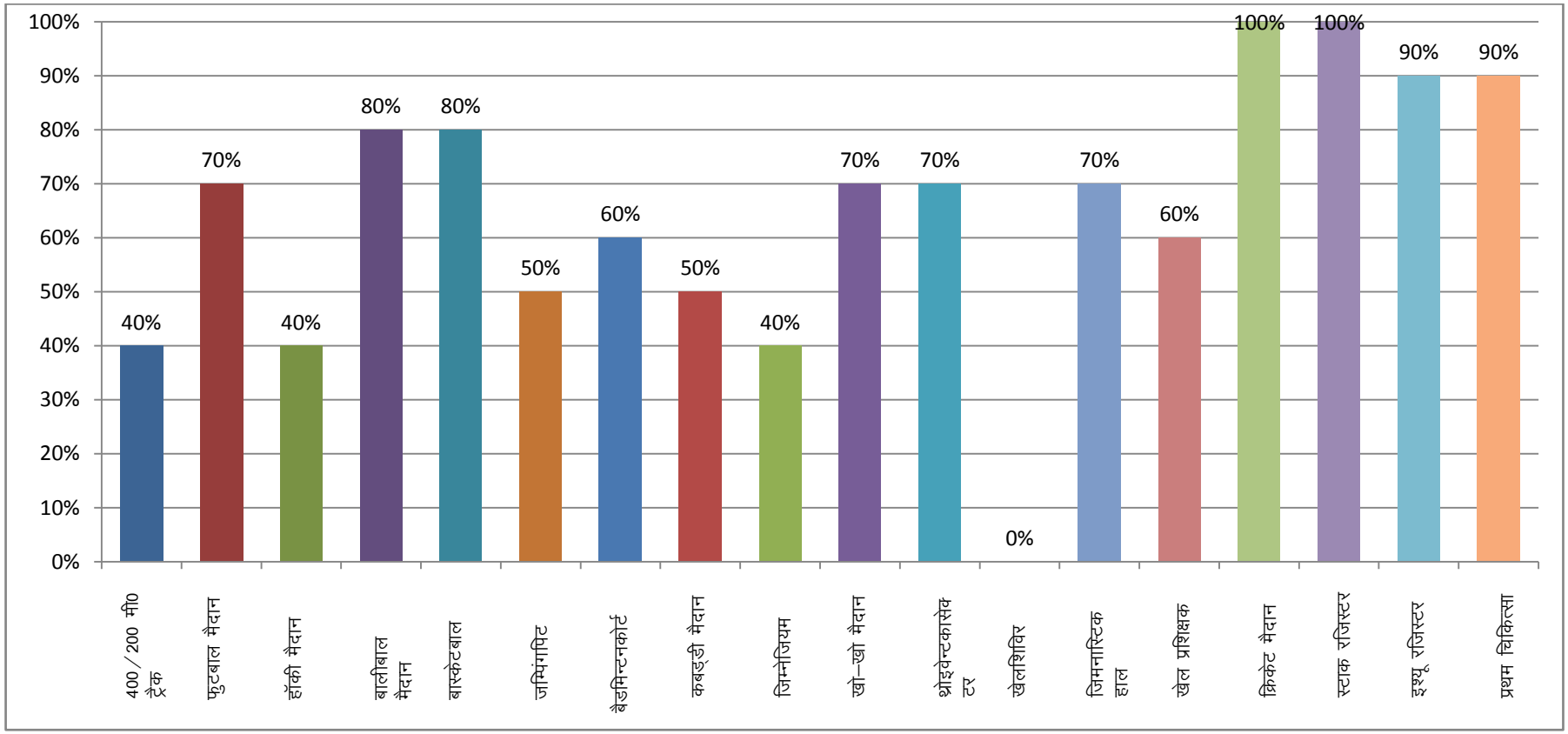

निष्कर्ष (Result) :

शोधार्थी द्वारा महाविद्यालयों में विभिन्न खेलों की संरचना (खेल मैदान, भवन अथवा सुविधा) की जानकारी चाही थीं इस महत्वपूर्ण प्रश्न को सुविधायुक्त बनाने के लिए शोधार्थी ने प्रश्नावली में 18 खेलों के नाम लिखकर जानकारी चाही थी। जिसके उत्तर में प्राप्त आंकड़ों के अनुसार सभी 10 महाविद्यालयों में एथलेटिक्स ट्रैक–4, बैण्डमिंटन कोर्ट–6, हाकी फील्ड–4, कबड्डी कोर्ट–5, तथा बालीबाल कोर्ट–8 (आठ) में मैदानों की सुविधा पायी गयी। सात महाविश्वविद्यालयों में फुटबाल, सात महाविद्यालयों में खो–खो, 7 महाविद्यालयों में जिमनास्टिक कोर्ट की सुविधा पायी गयी। चार महाविद्यालयों में जिमनेजियम, 10 महाविद्यालयों में उपलब्ध पाये गये जबकि बाल बैण्डमिंटन, की सुविधा किसी भी महाविद्यालय में नहीं पायी गयी।

खेल सुविधाओं में बहु–उद्देशीय जिम्नेजियमों की उपलब्ध सम्बन्धी जानकारी प्राप्त आंकड़ों से ज्ञात हुआ कि चार महाविद्यालयों में आधुनिक सामग्री युक्त, तीन महाविद्यालयों में सामान्य सामग्री युक्त, तीन महाविद्यालयों में सामान्य सामग्री युक्त तथा तीन महाविद्यालयों में सामान्य बहुउद्देशीय जिम्नेजियम अर्थात् शत प्रतिशत महाविद्यालयों में बहु–उद्देशीय जिम्नेजियम उपलब्ध है।

सभी 10 महाविद्यालयों में शारीरिक शिक्षा खेलकूद गतिविधियों के संचालन हेतु पर्याप्त उपकरण उपलब्ध है।

सुझाव (Recomendation):

महाविद्यालय परिसर में एक स्पोर्टस काम्पलेक्स के लिए लगभग 25 एकड़ भूमि अलग होनी चाहिए। जिस पर महाविद्यालय के छात्रों के लिए सम्पूर्ण आधुनिक सुविधायुक्त स्पोटर्स काम्पलेक्स विकसित किया जाना चाहिए।

प्रत्येक महाविद्यालय में भारतीय विश्वविद्यालय खेल संघ की खेल गतिविधियों के अनुरूप महाविद्यालय स्तर पर खिलाड़ियों को खेल सुविधाएँ उपलब्ध कराने खेल मैदानों के विकास के लिए, प्रशिक्षण शिविरों और प्रतियोगिताओं के आयोजन व प्रतियोगिताओं में भाग लेने हेतु वर्तमान आर्थिक स्थिति के अनुसार कम से कम रूपये एक करोड़ का प्रावधान किया जाना चाहिए।

महाविद्यालयों में एक विशेष तकनीकि एवं उच्च स्तरीय समिति का गठन किया जाना चाहिए जो खेल संरचनाओं के निर्माण खेल मैदानों के निर्माण तथा स्तरीय खेल सामग्रियों के उपलब्धता के लिए जिम्मेदार हो।

सन्दर्भ ग्रंथ सूची–

1. अटवाल, एच.एस. और यादव, आर.के. स्वतंत्र भारत में शारीरिक शिक्षा का इतिहास, अमित ब्रदर्स पब्लिकेशन्स नागपुर 2006
2. कमलेश, एम.एल. ''फिजिकल एज्युकेशनः फैक्ट एण्ड फाउण्डेशंस'' पी.वी. पब्लिकेशन फरीदाबाद 1988
3. डोनाल्ड, एच. मैक ब्यूर्ने ''रिसर्च मेथड्स'' कूले पब्लिशिंग कम्पनी 1994
4. बूचर, चार्ल्स ए. ''फाउण्डेशन ऑफ फिजिकल एज्युकेशन'' सेंट लुइसः द सी.वी. मेसवे कम्पनी 1969
5. हेनरी, ई. इरेट ''स्टेटिक्स इन साइकोलाजी एण्ड एज्युकेशन'' कल्याण पब्लिशर्स 2007
6. वेस्ट, जॉन डब्ल्यू ''रिसर्च इन एज्युकेशन'' नई दिल्ली प्रेन्टिस हॉल ऑफ इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड 1982
7. शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार ''नेशनल प्लान ऑफ फिजकल एजुकेशन'', नई दिल्ली गवर्मेन्ट प्रेस 1956.